पाठ्य–विवरण

बी.ए. इतिहास

2020-2023

तृतीय वर्ष

पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर

ज्ञान शांति मैत्री

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(महाराष्ट्र)

Parimal Priyadarshi
30.10.2021

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम :**इतिहास
   (Name of the Department/Centre)
2. **पाठ्यक्रम का नाम :**बी.ए.
3. **(Name of theProgramme)**
4. **पाठ्यक्रम कोड:**बीएएच
   (Code of theProgramme)
5. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
बी.ए इतिहास का पाठ्यक्रम यू.जी.सी के नियमानुसार भारत भर के विश्वविद्यालयों में पढ़ाये जा रहे इतिहास के पाठ्यक्रमों से समतुल्यता रखता है। यह पाठ्यक्रम पढ़ने के बाद विद्यार्थी मुख्यत: भारत तथा अंशत: विश्व के इतिहास को समझा सकने की अंत दृष्टि से संपन्न होंगे। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य सिर्फ विद्यार्थियों को जिसे इतिहास की घटनाओं से परिचित कराना भर नहीं है बल्कि इसे पढ़ते हुए वे वास्तविक रूप से इतिहास बोध, इतिहास दृष्टि और इतिहास चेतना से संपन्न हो सकेंगे। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सच्चे अर्थों में इतिहास में नये क्षेत्रों के अनुसंधान के लिये प्रवृत्त कर सकेगा और हिंदी में समाजविज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान उत्पादन की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण पहल होगी।	इतिहास दृष्टि और इतिहासलेखन पर विशेष आग्रह इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषता है। प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास लेखन की प्रविधियों पर केंत्रित इसकी पाठ्यचर्या में विद्यार्थियों को इतिहास के उपादानों के प्रयोगों के प्रति दक्ष कर सकेगी। विद्यार्थी इतिहास से अभिलेखों, विवरणों, दस्तावेजों आदि को सही संदर्भों में पढ़ सकने के कौशल का विकास कर सकेंगे।	इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी उच्च शिक्षा में अध्ययन एवं अध्यापन के लिए अपने अवसरों को सृजित कर सकते हैं। भारतीय एवं राज्य प्रशासनिक सेवाओं में इतिहास विषय के साथ सफलता प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही वे ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों के योग्य जानकार के रूप में अपनी निजी सेवाएँ भी प्रदान कर सकते हैं।

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

30/10

6. **पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):**

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुरूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 04 अथवा 04 X 02 = 08 क्रेडिट	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	**64 क्रेडिट**	**26 क्रेडिट**	**90 क्रेडिट**

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएंगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना

विषय समूह	पहला सेमेस्टर	दूसरा सेमेस्टर	तीसरा सेमेस्टर	चौथा सेमेस्टर	पांचवा सेमेस्टर	छठा सेमेस्टर
	कंप्यूटर दक्षता **(अतिरिक्त अनिवार्य-1)**	पर्यावरण **(अनिवार्य-1)**	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार **(अनिवार्य-2)**	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा **(अतिरिक्त अनिवार्य-2)**	भारतीय संस्कृति **(अनिवार्य-3)**	भारतीय चिंतक **(अनिवार्य-4)**
	04 क्रेडिट	04 क्रेडिट	04 क्रेडिट	04 क्रेडिट	02 क्रेडिट	02 क्रेडिट
अनिवार्य (हिंदी)	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट
	समूह ख	**समूह ख**	**समूह ख**	**समूह ख**	**कोई एक चयनित विषय**	

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

30/10

विकल्प 1	06 क्रेडिट	06 क्रेडिट	06 क्रेडिट	06 क्रेडिट	09+ 09=18 क्रेडिट	
	समूह ग 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट		
विकल्प 2	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**कोई एक चयनित विषय** 09+ 09=18 क्रेडिट	
	18 क्रेडिट	**22 क्रेडिट**	**22 क्रेडिट**	**18 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**
	कुल क्रेडिट : 120 क्रेडिट+ 08 अतिरिक्त क्रेडिट					

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु विषय समूह विवरण

समूह-क	समूह-ख	समूह-ग	अनिवार्यपाठ्यचर्या	अतिरिक्त अनिवार्यपाठ्यचर्या*
हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	1. संस्कृत 2. मराठी 3. उर्दू 4. अंग्रेज़ी 5. फ्रांसीसी 6. स्पैनिश 7. जापानी 8. चीनी	1. भाषाविज्ञान 2. इतिहास/राजनीतिविज्ञान 3. समाजशास्त्र/मानवविज्ञान 4. मनोविज्ञान/दर्शनशास्त्र	1.पर्यावरण 2.भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार 3.भारतीय संस्कृति 4.भारतीय चिंतक	1.कंप्यूटर दक्षता 2. भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या (*स्नातक उपाधि के लिए 50% अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके अंक/क्रेडिट मुख्य परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं होंगे।)

टिप्पणी:

1. **समूह-क** सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।
2. विद्यार्थी **समूह-ख**एवं **समूह-ग**से एक-एक विषय का चयन कर सकते हैं अथवा **समूह-गमें उपरिलिखित विषयों में** से किन्हीं दो विषयों का चयन कर सकते हैं। विद्यार्थी किसी भी स्थिति में **समूह-ख**से 2 विषयों का चयन नहीं कर सकेंगे।

Parimal Priyadarshi
30.10.2021

30/10/21

बी.ए. इतिहास पाठ्यक्रम (कुल – 120 क्रेडिट)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम संरचना

प्रथम सेमेस्टर/ प्रथम वर्ष		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
बी.ए.एच.एस-01	प्राचीन भारत का इतिहास भाग – 1	4
बी.ए.एच.एस-02	प्राचीन भारत का इतिहास भाग – 2	2
द्वितीय सेमेस्टर / प्रथम वर्ष		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
बी.ए.एच.एस-03	मध्यकालीन भारत का भाग – 1	4
बी.ए.एच.एस-04	मध्यकालीन भारत का भाग – 2	2
तृतीय सेमेस्टर / द्वितीय वर्ष		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
बी.ए.एच.एस-05	आधुनिक भारत का इतिहास भाग – 1	4
बी.ए.एच.एस-06	आधुनिक भारत का इतिहास भाग – 2	2
चतुर्थ सेमेस्टर/ द्वितीय वर्ष		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
बी.ए.एच.एस-07	आधुनिक विश्व का इतिहास भाग – 1	4
बी.ए.एच.एस-08	आधुनिक विश्व का इतिहास भाग – 2	2
*** पंचम सेमेस्टर/ तृतीय वर्ष**		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
बी.ए.एच.एस-09	स्वतंत्रता संग्राम	3
बी.ए.एच.एस-10	भारतीय संविधान	3
बी.ए.एच.एस-11	इंग्लैंड का राजनीतिक और वैधानिक इतिहास	3
***षष्ठम सेमेस्टर/ तृतीय वर्ष**		
कोड	**विषय / प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
बी.ए.एच.एस-12	भारतीय डास्पोरा का इतिहास	3
बी.ए.एच.एस-13	महाराष्ट्र का इतिहास	3
बी.ए.एच.एस-14	प्रोजेक्ट कार्य	3

***पंचम एवं षष्ठम सेमिस्टर के पाठ्यक्रम को अध्ययन मंडल की प्रत्याक्षा में स्वीकृत करने हेतु प्रस्तावित**

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

30/10/21

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम:स्वतंत्रता संग्राम

(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

2. पाठ्यचर्याकाकोड:बीएएच-09

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 3. सेमेस्टर:पंचम

(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

पेपर-9

भारत में राष्ट्रीय कांग्रेस के अंतर्गत नरमदल एवं गरमदल तथा भारत में क्रांतिकारी आंदोलन के विकास और सांप्रदायिकता के उदय के विषय में बताया गया है। मोरले मिंटो सुधार, होमरूल मूवमेंट, लखनऊ समझौता एवं मांटेग्यु चेम्सफोर्ड सुधार के बारे में उल्लेख किया गया है।भारत में गांधी काल के अंतर्गत- गांधी के आगमन एवं चंपारण, खेड़ा,अहमदाबाद, असहयोग, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन का विवरण दिया गया है। सुभाष चंद्र बोस एवं आई. एन. ए. की चर्चा की गई है।क्रिप्स मिशन, केबिनेट मिशन एवं माउण्टबेटन योजना और भारत विभाजन को उल्लेखित किया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

पेपर-9

1. भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में लेखन, विभिन्न कार्यक्रम एवं उसके प्रभाव को जाना जा सकेगा।
2. भारतीय राजनैतिक दलों की स्थापना एवं आवश्यकता को समझा जा सकेगा।
3. भारत में गांधी के काल और उनके प्रयासों के प्रभाव एवं परिणाम को जाना एवं समझा जा सकेगा।
4. भारतीय स्वतन्त्रता प्राप्ति के क्रम में विभिन्न व्यक्तियों एवं उनके कार्यों को समझा एवं जाना जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/		

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

30/10/21

				प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		(Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में नरमदल 2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में गरमदल 3. क्रांतिकारी आंदोलन का विकास 4. सांप्रदायिकता का उदय एवं विकास	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	1. मॉर्ले – मिन्टो सुधार – 1909 2. होम रूल मूवमेंट 3. लखनऊ समझौता 4. मांटेग्यू - चेम्सफोर्ड सुधार – 1919	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1. भारत में गांधी का आगमन – चंपारण, खेड़ा, अहमदाबाद आंदोलन 2. असहयोग आंदोलन, 3. सविनय अवज्ञा आंदोलन 4. भारत छोड़ो आंदोलन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. सुभाष चन्द्र बोस एवं आई. एन. ए. 2. क्रिप्स मिशन प्लान 3. केबिनेट मिशन प्लान 4. माउंटबेटन प्लान और भारत विभाजन	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

30/10/21

उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

31/10/21

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

पुस्तक सूची

1. आधुनिक भारत (1885-1947) – सुमित सरकार (राजकमल प्रकाशन)
2. स्वतंत्रता संग्राम (NBT) – अमलेश त्रिपाठी, वरूण डे, बिपन चंद्र
3. भारत का मुक्ति संग्राम – अयोध्या सिंह (ग्रंथ शिल्पी)
4. भारतीय राजनीति में गरमपंथ की चुनौती – अमलेश त्रिपाठी (ग्रंथ शिल्पी)
5. बंगला नवजागरण – सुशोमन सरकार (ग्रंथ शिल्पी)
6. बंगाल में स्वदेशी आंदोलन – सुमित सरकार (ग्रंथ शिल्पी)
7. भारत का राष्ट्रीय आंदोलन – बिपन चंद्र (अनामिका पब्लिशर्स)
8. समकालीन भारत – बिपन चंद्र (अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली)
9. भारत का स्वतंत्रता संघर्ष – बिपन चंद्र (हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय)
10. आजादी के दस्तावेज भारत में ब्रिटिश उपनिवेशवाद (दो खंड) – जहूरबख्श, ख्वाजा हसन निजामी (स्वर्ण ज्यंती दिल्ली)
11. अठारह सौ सत्तावन – सुरेंद्रनाथ सेन (प्रकाशन विभाग)

Book List

1. Mahatma Gandhi – B. R. Nanda
2. The Mahatma – Tendulkar
3. History of Freedom Movement of India – Tarachand
4. History of Freedom Movement (Vol. I & II) – R. C. Mazumdar
5. History of the Indian National congress (Vol. I to III) – P. Sitaramayya

Parimal Priyadarshi 30.10.21

35/10

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

Parimal Priyadarshi
30.10.2021

30/10

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1.विश्वविद्यालय के उद्देश्य(Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities

for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2.विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्योंकी अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3.विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनीविस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा:

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

30/10/21

ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning forthe Publication (if any)	

Parimal Priyadarshi
30.10.2021

30/10

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	

कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

1. पाठ्यचर्याका नाम:भारतीय संविधान

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याकाकोड:बीएएच-10
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 03. सेमेस्टर:पंचम
(Credit) (Semester)

4. पाठ्यचर्या विवरण:____
(Description of Course)
पेपर-10

भारतीय संविधान सभा एवं संविधान का निर्माण तथा संविधान की विशेषताएँ, राष्ट्रपति और राज्यपाल के विषय में चर्चा की गई है।भारतीय संसद, विधान मंडल, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के विषय में बताया गया है।संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, नीति निदेशक तत्व एवं संघ-राज्य संबंधों को उल्लेखित किया गया है।संविधान संशोधन की प्रक्रिया एवं संविधान में 42 वें और 44 वें संशोधन को दर्शाया गया है।पंचायती राज्य व्यवस्था और सूचना का अधिकार अधिनियम को बताया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: ____
(Course Learning Outcomes)
पेपर-10

1. भारतीय संविधान निर्माण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. भारतीय शासन व्यवस्था के आधार स्तंभों एवं व्यवस्था संचालन के मुख्य उपकरणों को जाना जा सकेगा।
3. भारतीय संविधान में उल्लेखित सरकार एवं जनता के अधिकार, कर्तव्यों एवं उसके महत्व को जाना जा सकेगा।
4. भारतीय संविधान में समय-समय पर हुए संशोधन, उनकी आवश्यकता एवं वर्तमान स्वरूप को जाना जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1. संविधान सभा एवं संविधान का निर्माण 2. भारतीय संविधान की	**13**	**02**		**15**	**25**

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

30/10/21

	विशेषताएँ 3. राष्ट्रपति 4. राज्यपाल					
मॉड्यूल-2	1. संसद 2. विधान मंडल 3. कार्यपालिका 4. न्यायपालिका	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1.प्रस्तावना 2. मौलिक अधिकार 3. नीति निदेशक तत्व 4. संघ- राज्य संबंध	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. संशोधन की प्रक्रिया 2. संविधान संशोधन – 42वाँ एवं 44वाँ 3. पंचायती राज्य 4. सूचना का अधिकार	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

Parimal Priyadarshi

25/10

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2.एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

30/10

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

Parimal Priyadarshi
30.10.2021

30/10/21

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	**घंटे**

कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

1. पाठ्यचर्याका नाम:इंग्लैंड का राजनीतिक और वैधानिक इतिहास

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याकाकोड:बीएएच-11
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 03. सेमेस्टर:पंचम
(Credit) (Semester)

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)
पेपर-11

इंग्लैंड में ट्यूडर निरंकुशता, प्रिवी कौंसिल, ट्यूडर पार्लियामेंट एवं स्थानीय शासन को बताया गया है।हेनरी सप्तम एवं हेनरी अष्टम के काल, इंग्लैंड में धर्म सुधार आंदोलन, एडवर्ड षष्ट व मेरी और एलिजाबेथ के विषय में चर्चा की गई है।जेम्स प्रथम और संसद, चार्ल्स प्रथम और गृह युद्ध , क्रामबेल एवं कॉमनवेल्थ तथा पुनर्स्थापना के बारे में उल्लेखित किया गया है।जार्ज प्रथम एवं जार्ज द्वितीय के संदर्भ में विवरण दिया गया है।रॉबर्ट तृतीय की व्यवस्था के बारे में उल्लेखित किया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)
पेपर-11

1. इंग्लैंड के राजनैतिक एवं वैधानिक इतिहास को जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. इंग्लैंड में धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलन की शुरुआत एवं प्रभाव को समझा जा सकेगा।
3. इंग्लैंड की संसदीय कार्य-प्रणाली और जेम्स प्रथम के विषय में जाना और समझा जा सकेगा।
4. ब्रिटेन के शासकों एवं उनकी कार्य-प्रणालियों और कार्यों के प्रभाव को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1. ट्यूडर निरंकुशता 2. प्रिवी कौंसिल 3. ट्यूडर पार्लियामेंट	**13**	**02**		**15**	**25**

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

30/10/21

	4. स्थानीय शासन					
मॉड्यूल-2	1. हेनरी सप्तमव हेनरी अष्टम 2. इंग्लैंड में धर्म सुधार आंदोलन 3. एडवर्ड षष्ठ 4. मेरी और एलिजाबेथ	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1. जेम्स प्रथम और संसद 2. चार्ल्स प्रथम और गृह युद्ध 3. क्रामबेल एवं कॉमनवेल्थ 4. पुनर्स्थापना	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. जार्ज प्रथम 2. जार्ज द्वितीय 3. रॉबर्ट वालपोल 4. जार्ज तृतीय की व्यवस्था	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

35/10/21

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

30/10/21

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

पुस्तक सूची

1. ब्रिटेन का इतिहास – पार्थसारथि गुप्त
2. इंग्लैंड का राजनैतिक और वैधानिक इतिहास – राधाकृष्ण चौधरी (भारती भवन)

Book List

1. Tudor England (Pelican History of England, Vol. V) – S. K. Bindoff
2. The Constitutional History of England – G. B. Adams
3. The English Reformation – A.G. Dickens
4. A Study of English History – L. Mukherjee
5. British History – Ramsey Muir
6. History of England – G. M. Trevelyan
7. Constitutional History of Modern Britain (1485-1937) - D. L. Kier

England under the stuarts – G. M. Trevelyan

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

Parimal Priyadarshi
30.10.2021

30/10

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम:भारतीय डायस्पोरा का इतिहास

(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

2. पाठ्यचर्याकाकोड:बीएएच-12
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 03. सेमेस्टर:षष्ठ
(Credit) (Semester)

4. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)
पेपर-13

भारतीय प्रवासन के चरण एवं स्वरूप के अंतर्गत प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक काल तथा 1990 के पश्चात् भारतीय डायस्पोरा के संबंध में बताया गया है।समुद्रपारीय भारतीय डायस्पोरा समुदाय के अंतर्गत श्रीलंका, गुयाना, सूरीनाम और यूनाइटेड किंगडम के डायस्पोरा समुदायों की चर्चा की गई है।भारतीय डायस्पोरा का पहचान के लिए संघर्ष के आलोक में महात्मा गांधी द्वारा संघर्ष तथा दक्षिण अफ्रीका, मरीशस और फ्रिजी की घटनाक्रमों का वर्णन किया गया है।भारतीय डायस्पोरा के प्रति भारतीय राज्य की नीति में स्वतन्त्रता पूर्व एवं स्वतन्त्रता के आरंभिक दशक को दर्शाया गया है। वैश्वीकृत भारत एवं प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय और भारतीय डायस्पोरा को व्याख्यायित किया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)
पेपर-13

1. भारतीय प्रवासन के अंतर्गत प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक काल में डायस्पोरा के विषय में जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. समुद्रपारीय भारतीय डायस्पोरा समुदायों के विषय में क्रमबद्ध जानकारी प्राप्त होगी।
3. महात्मा गांधी द्वारा भारतीय डायस्पोरा समुदाय के अधिकार की रक्षा के प्रयासों को जाना एवं समझा जा सकेगा।
4. भारतीय डायस्पोरा समुदाय के प्रति भारत सरकार की नीतियों को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Intera		

Parimal Priyadarshi 30/10/2021

34/10

				ction/ Training/ Laboratory)		(Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	• **भारतीय प्रवासन के चरण एवं स्वरूप** 1. प्राचीन काल में भारतीय डायस्पोरा 2. मध्यकाल में भारतीय डायस्पोरा 3. आधुनिक काल में भारतीय डायस्पोरा 4. 1990 के बाद भारतीय डायस्पोरा	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **समुद्रपारीय भारतीय डायस्पोरा समुदाय** 1. हिंद महासागर : श्रीलंका 2. गुयाना 3. सूरीनाम 4. युनाइटेड किंगडम	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **भारतीय डायस्पोरा का पहचान के लिए संघर्ष** 1. महात्मा गांधी का समुद्रपारीय भारतीयों के मानवाधिकार के लिए संघर्ष में योगदान 2. दक्षिण अफ्रीका 3. मॉरीशस 4. फिजी	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **भारतीय डायस्पोरा के प्रति भारतीय राज्य की नीति: इतिहास व वर्तमान** 1. स्वतंत्रतापूर्व 2. स्वतंत्रता के आरंभिक दशक	**13**	**02**		**15**	**25**

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

30/10/21

	3. वैश्वीकृत भारत 4. प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय और भारतीय डायस्पोरा					

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

Parimal Priyadarshi
30.10.2021

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

Parimal Priyadarshi
30.10.2021

30/10/21

(संकायाध्यक्ष)

कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

1. पाठ्यचर्याका नाम:महाराष्ट्र का इतिहास

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याकाकोड:बीएएच-13
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 03. सेमेस्टर:षष्ठ
(Credit) (Semester)

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)
पेपर-14

महाराष्ट्र के इतिहास के अंतर्गत- मराठा शक्ति के उत्कर्ष, शिवाजी,मुगल-मराठा संबंध एवं मराठा शक्ति के विस्तार को उल्लेखित किया गया है।पेशवा का उदय, पेशवा शक्ति का विस्तार, पानीपत का तीसरा युद्ध एवं आंग्ल-मराठा संबंधों को बताया गया है।महाराष्ट्र के संतों में नामदेव, तुकाराम,एकनाथ एवं समर्थ रामदास का वर्णन किया गया है।गोपाल गणेश आगरकर एवं महादेव गोविंद रानाडे का उल्लेख किया गया है।पंडित रमाबाई और सावित्री बाई फुले के संदर्भ में बताया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)
पेपर-14

1. महाराष्ट्र के क्षेत्रीय इतिहास को जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. मराठा शक्ति के उदय, प्रसार एवं विभाजन को समझा जा सकेगा।
3. महाराष्ट्र के सामाजिक सुधारकों एवं महापुरुषों को जाना एवं समझा जा सकेगा।
4. महाराष्ट्र में उत्तर मध्यकाल तथा आधुनिक काल की शासनव्यवस्था और सामाजिक परिवर्तनों को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1. मराठा शक्ति का उत्कर्ष 2. शिवाजी	**13**	**02**		**15**	**25**

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

30/10/21

	3. मुगलों के साथ मराठों का संबंध 4. मराठा शक्ति का विस्तार					
मॉड्यूल-2	1. पेशवा का उदय – बालाजी विश्वनाथ 2. पेशवा शक्ति का विस्तार 3. पानीपत की तीसरी लड़ाई 4. आंग्ल - मराठा संबंध	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1. नामदेव 2. तुकाराम 3. एकनाथ 4. समर्थ रामदास	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. गोपाल गणेश आगरकर 2. महादेव गोविन्द रानाडे 3. पंडिता रमाबाई 4. सावित्रीबाई फुले	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

Parimal Priyadarshi 30.10.2021

30/10/21

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

Parimal Priyadarshi 30.12.2021

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

Book List

1. Shivaji, Life and times – J. N. Sarkar
2. Rise of Maratha Power – K. R. Kanungo
3. Rise of Peshwas – N. H. Sinha
4. Main Currents of Maratha History – G. S. Sardesai
5. The Rise and fall of the Maratha Power – R. V. Nadkarni

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

Parimal Priyadarshi
30.10.2021

(संकायाध्यक्ष)

30/10/21

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम: प्रोजक्ट कार्य

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याकाकोड:बीएएच-14
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 03. सेमेस्टर:षष्ठ
(Credit) (Semester)